दुर्गा चालीसा

नमो नमो दुर्गे सुख करनी,
नमो नमो अम्बे दुःख हरनी।

निराकार है ज्योति तुम्हारी,
तिहूं लोक फैली उजियारी।

शशि ललाट मुख महा विशाला,
नेत्र लाल भृकुटि विकराला।

रूप मातु को अधिक सुहावे,
दरश करत जन अति सुख पावे।

तुम संसार शक्ति मय कीना,
पालन हेतु अन्न धन दीना।

अन्नपूरना हुई जग पाला,
तुम ही आदि सुन्दरी बाला।

प्रलयकाल सब नाशन हारी,
तुम गौर शिव शंकर प्यारी।

हिंदीपथ.कॉम

शिव योगी तुम्हरे गुण गावें,
बह्या विष्णु तुम्हें नित ध्यावै।

रूप सरस्वती को तुम धारा,
दे सुबुद्धि ऋषि मुनिन उबारा।

धरा रूप नरसिंह को अम्बा,
परगट भई फाड़कर खम्बा।

रक्षा करि प्रहलाद बचायो,
हिरणाकुश को स्वर्ग पठायो।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

लक्ष्मी रूप धरो जग माहीं,
श्री नारायण अंग समाहीं॥

क्षीरसिंधु में करत विलासा,
दयासिंधु दीजै मन आसा।

हिंगलाज में तुम्हीं भवानी,
महिमा अमित न जात बखानी॥

मातंगी धूमावति माता,
भुवनेश्वरि बगला सुख दाता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

श्री भैरव तारा जग तारिणी,
क्षिन्न भाल भव दुःख निवारिणी॥

केहरि वाहन सोहे भवानी,
लांगुर वीर चलत अगवानी।

कर में खप्पर खड्ग विराजे,
जाको देख काल डर भाजे॥

सोहे अस्त्र और त्रिशूला,
जाते उठत शत्रु हिय शूला।

हिंदीपथ.कॉम

नाग कोटि में तुम्हीं विराजत,
तिहुं लोक में डंका बाजत॥

शुम्भ निशुम्भ दानव तुम मारे,
रक्तबीज शंखन संहारे।

महिषासुर नृप अति अभिमानी,
जेहि अधिभार मही अकुलानी॥

रूप कराल कालीको धारा,
सेना सहित तुम तिहि संहारा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

परी गाढ़ संतन पर जब-जब,
भई सहाय मात तुम तब-तब॥

अमरपुरी औरों सब लोका,
तब महिमा सब रहे अशोका।

बाला में है ज्योति तुम्हारी,
तुम्हें सदा पूजें नर नारी॥

प्रेम भक्ति से जो जस गावें,
दुःख दारिद्र निकट नहिं आवै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ध्यावें जो नर मन लाई,
जन्म मरण ताको छुट जाई॥

जोगी सुर मुनि कहत पुकारी,
योग नहीं बिन शक्ति तुम्हारी।

शंकर अचारज तप कीनो,
काम अरु क्रोध सब लीनो॥

निशदिन ध्यान धरो शंकर को,
काहु काल नहिं सुमिरो तुमको।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शक्ति रूप को मरम न पायो,
शक्ति गई तब मन पछितायो॥

शरणागत हुई कीर्ति बखानी,
जय जय जय जगदम्ब भवानी।

भई प्रसन्न आदि जगदम्बा,
दई शक्ति नहिं कीन विलंबा।

मोको मातु कपट अति घेरो,
तुम बिन कौन हरे दुःख मेरो।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

आशा तृष्णा निपट सतावे,
रिपु मुरख भोहि अति डरपावे॥

शत्रु नाश कीजै महारानी,
सुमिरौं इकचित तुम्हें भवानी।

करो कृपा हे मातु दयाला,
ऋद्धि सिद्धि दे करहु निहाला।।

जब लगि जियौं दया फल पाऊं,
तुम्हरो जस मैं सदा सुनाऊं।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दुर्गा चालीसा जो गावै,
सब सुख भोग परम पद पावें॥

देवीदास शरण निज जानी,
करहु कृपा जगदम्ब भवानी॥

॥ दोहा ॥
शरणागत रक्षा करे,
भक्त रहे निःशंक।
मैं आया तेरी शरण में,
मातु लीजिए अंक॥

हिंदीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा